भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **612** जिसका उत्तर
शुक्रवार, **9 दिसम्बर**, 2022/18 अग्रहायण, 1944 (शक) को दिया जाना है

अंतर्देशीय नौवहन को बढ़ावा

†612. प्रो. सौगत राय:

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने भूतल परिवहन और माल की आवाजाही की तुलना में अंतर्देशीय नौवहन को बढ़ावा देने को महत्व दिया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या देश में अंतर्देशीय नौवहन को बढ़ावा देने के लिए किसी प्रोत्साहन की घोषणा की गई है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या सरकार ने अंतर्देशीय नौवहन को बढ़ावा देने के लिए अब तक प्रमुख नदियों को जोड़ने वाले नए जलमार्गों का निर्माण किया है; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख) : जी, हां। देश में अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 24 राज्यों में फैले 111 जलमार्गों (05 मौजूदा और 106 नए जलमार्गों सहित) को राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के अंतर्गत राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया है। राष्ट्रीय जलमार्गों के संबंध में तकनीकी- आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययनों तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के निष्कर्ष के आधार पर 26 राष्ट्रीय जलमार्ग, कार्गो/ यात्रियों की आवाजाही के लिए व्यवहार्य पाए गए हैं, जिनका ब्यौरा **अनुबंध-1** में प्रदान किया गया है।

(ग) और (घ) : अंतर्देशीय जलमार्गों को परिवहन के पूरक, पर्यावरण-अनुकूल और किफायती साधन के रूप में बढ़ावा देने के लिए आईडब्ल्यूएआई द्वारा राष्ट्रीय जलमार्गों पर जलयानों की

आवाजाही पर लगाए जाने वाले जलमार्ग प्रयोग संबंधी प्रभारों को जुलाई, 2020 में समाप्त कर दिया गया है। ऐसा आरंभ में तीन वर्ष के लिए किया गया है।

(ङ) और (च) : अंतर्देशीय नौवहन को बढ़ावा देने के लिए वर्ष, 2016 से पूर्व मौजूद पांच राष्ट्रीय जलमार्गों के अतिरिक्त 09 नए राष्ट्रीय जलमार्गों के विकास का कार्य शुरू किया गया हैं। इसका ब्यौरा **अनुबंध-2** में प्रदान किया गया है।

अनुबंध-I

कार्गो/यात्री आवाजाही के लिए व्यवहार्य पाए गए 26 राष्ट्रीय जलमार्गों (रा.ज.) की सूची

क्र. सं.	राष्ट्रीय जलमार्ग	जलमार्गों का ब्यौरा	लंबाई (कि.मी.)	राज्य
1.	राष्ट्रीय जलमार्ग 1	गंगा -भागीरथी -हुगली नदी प्रणाली (हल्दिया - इलाहाबाद)	1620	उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल
2.	राष्ट्रीय जलमार्ग 2	ब्रह्मपुत्र नदी (ढुबरी-सादिया)	891	असम
3.	राष्ट्रीय जलमार्ग 16	बराक नदी (लखीपुर-टुकर ग्राम)	121	असम
4.	राष्ट्रीय जलमार्ग 3	पश्चिम तट नहर (कोट्टापुरम-कोल्लम), चंपाकरा एवं उद्योगमंडल नहर	205	केरल
5.	राष्ट्रीय जलमार्ग 4	कृष्णा नदी (विजयवाड़ा-मुक्तयाला)	82	आंध्र प्रदेश
6.	राष्ट्रीय जलमार्ग 5	मंगलागढ़ी से पानकोपल से होते हुए धमरा-पारादीप	233	ओडिशा
7.	राष्ट्रीय जलमार्ग 8	अलाप्पुझा -चंगनसरी नहर	29	केरल
8.	राष्ट्रीय जलमार्ग 9	अलाप्पुझा -कोट्टायम -अथिरमप्पुझा नहर	40	केरल वैकल्पिक मार्ग: 11.5 कि.मी.
9.	राष्ट्रीय जलमार्ग 27	कंबरजुआ नदी (कोर्टालिम-फेरी से साओ मार्टियस विधान परिषद)	17	गोवा
10.	राष्ट्रीय जलमार्ग 68	माण्डवी नदी (उसगांव ब्रिज से अरब सागर)	41	गोवा
11.	राष्ट्रीय जलमार्ग 86	रूपनारायण नदी (प्रतापपुर से जियोनखाली)	72	पश्चिम बंगाल
12.	राष्ट्रीय जलमार्ग 97	सुंदरबन जलमार्ग (नामखाना से अथाराबंकी खाल)	172	पश्चिम बंगाल
13.	राष्ट्रीय जलमार्ग 111	ज़ुआरी नदी (सैनवोर्डेन ब्रिज से मुरगांव पत्तन)	50	गोवा
14.	राष्ट्रीय जलमार्ग 40	घाघरा नदी (फैजाबाद से मांझीघाट)	345	बिहार और उत्तर प्रदेश
15.	राष्ट्रीय जलमार्ग 10	अंबा नदी (अरब सागर, धर्मतार क्रीक से नागोठाणे एसटी स्टैंड)	45	महाराष्ट्र
16.	राष्ट्रीय जलमार्ग 44	इच्छामती नदी (गोबरा के ब्रिज से बांग्लादेश सीमा के निकट बांसझारी)	63	पश्चिम बंगाल
17.	राष्ट्रीय जलमार्ग 52	काली नदी (कडसल्ली बांध से सदाशिवगद ब्रिज, अरब सागर)	53	कर्नाटक
18.	राष्ट्रीय जलमार्ग 57	कोपिली नदी (बनठई गांव तिनाली बस स्टॉप से चंद्रपुर नं-2 पर ब्रह्मपुत्र के संगम	50	असम

		स्थल तक)		
19.	राष्ट्रीय जलमार्ग 25	चपौरा नदी (मनेरी गांव के निकट ब्रिज से मोरजिम, अरब सागर)	25	गोवा
20.	राष्ट्रीय जलमार्ग 37	गंडक नदी (भैसालोटल बराज से हाजीपुर)	296	बिहार और उत्तर प्रदेश
21.	राष्ट्रीय जलमार्ग 28	दाभोल क्रीक वशिष्ठी नदी (दाभोल में अरब सागर से पेढ़े के पुल तक)	45	महाराष्ट्र
22.	राष्ट्रीय जलमार्ग 73	नर्मदा नदी (पंढरिया से खंभात की खाड़ी तक)	226	महाराष्ट्र और गुजरात
23.	राष्ट्रीय जलमार्ग 85	रेवदांडा क्रीक -कुंडलिका नदी प्रणाली (रेवदांडा में अरब सागर से रोहा नगर के निकट ब्रिज तक)	31	महाराष्ट्र
24.	राष्ट्रीय जलमार्ग 94	सोन नदी (सोन बराज डेहरी से गंगा के संगम स्थल तक)	141	बिहार
25.	राष्ट्रीय जलमार्ग 100	तापी नदी (हटनूर डैम से खंभात की खाड़ी तक)	436	महाराष्ट्र और गुजरात
26.	राष्ट्रीय जलमार्ग 31	धनसीरी नदी (मोरोंगी टीई गांव के पुल से नुमलीगढ़ तक)	110	असम

<u>अनुबंध-2</u>

09 नए राष्ट्रीय जलमार्गों पर शुरू की गई परियोजनाओं का विवरण :-

क्र.सं.	रा.ज.	जलमार्गों/ राज्यों का ब्यौरा	लंबाई (कि.मी.)	शुरू की गई परियोजनाएं
1	रा.ज. 16	असम में बराक नदी (लखीपुर-टुकरग्राम)	121	वर्ष 2020-21 से 2024-25 के दौरान एसएफसी द्वारा 145 करोड़ रु. की लागत पर रा.ज.-16 और आईबीपी मार्ग का विकास अनुमोदित किया गया था। राष्ट्रीय जलमार्ग- 16 (रा.ज.-16) के रूप में घोषित बराक नदी, आईबीपी मार्ग के माध्यम से हल्दिया और कोलकाता पत्तनों को सड़क/ जलमार्ग के जरिए होते हुए असम की कछार घाटी में सिलचर, करीमगंज और बदरपुर से जोड़ती है। रा.ज.-16 और आईबीपी मार्ग के लिए एसएफसी द्वारा 10 कार्य अनुमोदित किए गए हैं। इन 10 कार्यों में से 03 स्थायी स्वरूप के हैं, जो कि विचाराधीन हैं नामत:, **(1)** गुमटी नदी पर सोनमुरा में टर्मिनल का निर्माण, **(2)** गंगा नदी पर मैया में टर्मिनल का निर्माण और **(3)** बदरपुर और करीमगंज टर्मिनलों का उन्नयन। शेष 07 कार्य आवर्ती स्वरूप के हैं, नामत: **(1)** फेयरवे विकास **(2)** नेविगेशनल एड्स के ओएंडएम **(3)** परामर्श संबंधी प्रशिक्षण **(4)** कार्गो प्रोत्साहन, और **(5)** पोर्ट ऑफ कॉल पर सुविधाएं आदि। ये गतिविधियां, वार्षिक रख-रखाव के आधार पर की जाती हैं जो अक्तूबर, **2022** तक 2.55% प्रगति के साथ कार्यान्वयन के चरण में हैं।
2	रा.ज. 8	केरल में अलाप्पुझा-चंगनसेरी नहर	29	डीपीआर की अनुशंसाओं के अनुसार विकास कार्य प्रस्तावित। महत्वपूर्ण स्थानों पर 24 घंटे नौचालन संबंधी सुविधाएं (15 नं.) प्रदान की गई हैं और उनका रख-रखाव किया जा रहा है।
3	रा.ज. 9	केरल में अलाप्पुझा-कोट्टायम-अथिरमपुझा कैनाल	40	1.60 करोड़ रु. की अनुमानित लागत पर जलमार्ग का विकास कार्य शुरू। रात्रि में नौचालन संबंधी सुविधाएं संस्थापित। जलमार्ग पहले से ही प्रचालनरत है।
4	रा.ज. 27	गोवा में कंबरजुआ नदी (कोट्टालिम-फेरी से साओ मार्शियस विधान परिषद)	17	गोवा के राष्ट्रीय जलमार्ग गोवा सरकार, मुरगांव पत्तन प्राधिकरण और आईडब्ल्यूएआई के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन के अंतर्गत प्रचालनरत हैं। गोवा में 22.65 करोड़ रु. की अनुमानित लागत पर राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास कार्य शुरू किया गया है। मांडोवी और चपोरा नदी पर 11.33 करोड़ रु. की राशि से 4 फ्लोटिंग जेट्टियों
5	रा.ज. 68	गोवा में मांडोवी नदी (उस गांव ब्रिज से अरब	41	

		सागर)		को स्थापित करने का कार्य शुरू किया गया है।
6	रा.ज. 111	गोवा में जुआरी नदी (सैनवोर्डेन ब्रिज से मुरगांव पत्तन)	50	इसके अतिरिक्त, नौचालन संबंधी सुविधाएं लागू करने हेतु मुरगांव पत्तन प्राधिकरण को दिनांक 02.04.2022 को 6.84 करोड़ रु. की राशि जारी की गई है।
7	रा.ज. 86	पश्चिम बंगाल में रूपनारायाण नदी (प्रतापपुर से जियोनखाली)	72	24.00 करोड़ रु. की अनुमानित लागत पर जलमार्ग का विकास कार्य शुरू किया गया है। सिंचाई विभाग, पश्चिम बंगाल द्वारा 15.45 करोड़ रु. की लागत पर राष्ट्रीय राजमार्ग से कोलाघाट पर वाटरफ्रंट तक सड़क का सुधार कार्य निष्पादित किया जा रहा है। फ्लाईऐश कार्गो के लदान और उतराई संबंधी सुविधाओं के लिए फ्लोटिंग पोंटून जेट्टी का निर्माण कार्य किया जा रहा है। कोलाघाट में स्थायी टर्मिनल के लिए, भूमि अधिग्रहण कार्य जून, 2022 में पूरा किया गया है और वार्षिक योजना के माध्यम से विकास कार्य करने पर विचार किया जा रहा है।
8	रा.ज. 97	पश्चिम बंगाल में सुंदरबन जलमार्ग (नामखाना से अथाराबंकी खाल)	172	18.10 करोड़ रु. की अनुमानित लागत पर जलमार्ग का विकास कार्य शुरू किया गया है। ड्रेजिंग कार्य विभाग के ड्रेजर के माध्यम से किए जाने का प्रस्ताव है। यह जलमार्ग, भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग का हिस्सा है और जलयानों के लिए पहले से ही प्रचालनरत है।
9	रा.ज. 40	घाघरा नदी (अयोध्या से घाघरा-गंगा संगम)	354	बैंडेलिंग और डे चैनल मार्किंग, फ्लोटिंग टर्मिनलों के निर्माण और मासिक सर्वेक्षणों द्वारा फेयरवे के विकास हेतु 11.60 करोड़ रु. की राशि अनुमोदित की गई है। वर्ष 2021-22 के दौरान, जलमार्ग के फेज-I के तहत विकास के लिए 4.46 करोड़ रुपए के लागत वाली एक योजना स्वीकृत की गई है।

****